अध्याय 11

मानसिक दुर्बलता
(MENTAL RETARDATION)

1. स्वरूप एवं परिभाषा *(Nature and Definition)*
2. मानसिक दुर्बलता की विशेषताएँ *(Characteristics of Mental Retardation)*
3. मानसिक दुर्बलता एवं मानसिक क्षय या रोग में अन्तर *(Difference between Mental Retardation and Mental Decay or Diseases)*
4. मानसिक दुर्बलता का वर्गीकरण *(Classification of Mental Retardation)*
5. मानसिक दुर्बलता के कारण *(Causes of Etiology of Mental Retardation)*
6. उपचार या चिकित्सा एवं निरोध *(Treatment and Prevention)*
7. सारांश *(Summary)*

I MENTAL RETARDATION

1. स्वरूप एवं परिभाषा
(NATURE AND DEFINITION)

मानसिक दुर्बलता मानसिक विकास के अधोसामान्य (sub-normal) अवस्था को कहते हैं। प्रारम्भ में इसे मस्तिष्क की शक्तिहीनता या दिमागी कमजोरी के नाम से जाना जाता था, जिसका अर्थ बुद्धि का ह्रास या कमी (deficiency of intellect) होता है। एमेंशिया (amentia) का शाब्दिक अर्थ 'बिना दिमाग के' (without mind) होता है। अतः, मानसिक दुर्बलता को एमेंशिया कहना उचित नहीं प्रतीत होता; क्योंकि बिल्कुल जड़ बुद्धि (blethering idiot) में भी दिमाग का थोड़ा-सा अंश जरूर रहता है। कोई व्यक्ति बिना दिमाग के नहीं हो सकता।

मानसिक दुर्बलता सही अर्थ में मानसिक विकास की एक अवस्था को कहते हैं, जो सामान्य स्तर से कम, अर्थात नीचे की अवस्था होती है। इसलिए अमेरिकी मनोवैज्ञानिक संघ (American Psychological Association—APA) ने मानसिक विकृति के इस प्रकार को अधोसामान्य मानसिक अवस्था (sub-normal mental state) कहा है। इसे कुछ लोग क्षीणमनस्कता (feeble-mindedness) भी कहते हैं। क्षीणमनस्कता बुद्धि की मात्रा में औसत से कमी की अवस्था को कहते हैं। इसके अर्न्तगत अल्पबुद्धि (low intelligence) के निम्नलिखित तीन स्तर आते हैं—मूर्ख

Rupashree Jamuar

Scanned with CamScanner

(moron), मूढ़ (imbecile) और जड़ (idiot)। बौद्धिक क्षमता के इन स्तरों का निर्धारण मनोवैज्ञानिकों द्वारा विकसित बुद्धि के परीक्षणों (intelligence test) द्वारा किया जाता है। इसी तरह मानसिक दुर्बलता का एक पर्यायवाची शब्द मानसिक ह्रास या न्यूनता (mental deficiency) भी प्रयोग में लाया जाता है, जिसका निर्धारण बुद्धि-परीक्षणों द्वारा सामान्य बुद्धि की माप करके किया जाता है। ब्राउन (Brown) ने मानसिक न्यूनता (mental deficiency) के बदले हाइपोफ्रेनिया (hypophrenia) शब्द का उपयोग करना अधिक उपयुक्त बतलाया है। इनके अनुसार, मानसिक रूप से दुर्बल या कमजोर व्यक्ति की मानसिक बुद्धि की मात्रा सीमित हो जाती है। बुद्धि का विकास जब औसत स्तर की जगह निम्नस्तर पर आकर रुक जाता है अथवा अवरुद्ध हो जाता है तो व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता न्यून (hypo) ही रह जाती है। फलस्वरूप, वह समाज में बेमेल अर्थात अनुपयुक्त हो जाता है।

इस प्रकार, हम देखते हैं कि मानसिक दुर्बलता के कई पर्यायवाची शब्द हैं। हम यहाँ मानसिक दुर्बलता (mental retardation) शब्द का ही उपयोग करेंगे, जिसका अर्थ मानसिक योग्यताओं, जैसे—प्रत्यक्षीकरण की योग्यता, समझ-बूझ की योग्यता, किसी समस्या के समाधान करने की योग्यता, वातावरण के साथ अभियोजन करने की क्षमता इत्यादि की कमजोरी या दुर्बलता होती है। इस दुर्बलता के कारण व्यक्ति भला-बुरा (good-bad), नैतिक-अनैतिक (moral-immoral), उचित-अनुचित (right-wrong) को समझने में अयोग्य रहता है तथा वह अपने कार्यों के परिणामों (consequences) के बारे में भी नहीं सोच पाता। इस प्रकार, वह किसी भी प्रकार के उत्तरदायित्व (responsibilities) से मुक्त (free) रहता है। उसका सम्पूर्ण व्यवहार उसकी स्वतंत्र इच्छाशक्ति के अधीन रहता है। वह वैधानिक (legal) अथवा सामाजिक (social) उत्तरदायित्व से भी स्वतंत्र रहता है।

ट्रेडगोल्ड (Tredgold) ने मानसिक दुर्बलता (mental retardation) की व्याख्या चिकित्साशास्त्र के दृष्टिकोण (medical point of view) से की है। इनके अनुसार, मानसिक दुर्बलता मस्तिष्क के सीमित विकास (limited development) की अवस्था होती है, जिसके फलस्वरूप व्यक्ति पूर्ण रूप से परिपक्व (matured) होने पर भी वातावरण के साथ अभियोजित होने या समुदाय की माँगों (community demands) की पूर्ति करने में असमर्थ होता है तथा बिना किसी बाह्य अवलम्ब या दूसरों की देखरेख के अपने स्वतंत्र अस्तित्व का निर्वाह करने में अयोग्य रहता है।

इस प्रकार, **ट्रेडगोल्ड** (Tredgold) ने मानसिक दुर्बलता के संबंध में दो मुख्य बातों पर ज़ोर दिया है—(क) मस्तिष्क के विकास की सीमित अवस्था (limited developmental state of mind), एवं (ख) सामाजिक अभियोजन की अयोग्यता (inadequacy of social adaptation)।

परिभाषाएँ (Definitions)

मानसिक दुर्बलता के स्वरूप (nature) के उपर्युक्त वर्णन के आलोक में अब हम इसकी कुछ महत्त्वपूर्ण (important) परिभाषाओं (definitions) पर विचार करेंगे—

Scanned with CamScanner

1. **ट्रेडगोल्ड** के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता सीमित क्षमता की अवस्था अथवा रुका हुआ मस्तिष्कीय विकास है जिसके परिणामस्वरूप प्रभावित व्यक्ति परिपक्व होने पर भी अपने वातावरण के साथ अभियोजित होने अथवा अपने समुदाय की माँगों की पूर्ति करने में समर्थ नहीं होता तथा वह बिना किसी बाह्य अवलम्ब या देखरेख के अपना स्वतंत्र अस्तित्व भी बनाए रखने में असमर्थ होता है।"[1]

2. **पेज** के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता या न्यूनता अधोसामान्य मानसिक विकास की अवस्था को कहते हैं, जो जन्म के समय या प्रारम्भिक बाल्यावस्था से ही वर्तमान रहती है तथा जिसकी मुख्य विशेषता सीमित बुद्धि और सामाजिक अयोग्यता होती है।"[2]

3. **स्ट्रेंज** के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता का अर्थ स्वतंत्र वयस्क जीवन व्यतीत करने के लिए कम से भी कम मात्रा में अपेक्षित सामान्य बुद्धि एवं निर्णय करने की क्षमता का अभाव है।"[3]

4. **अमेरिकी मनश्चिकित्सा संघ** (American Psychiatric Association) के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता अधोसामान्य बौद्धिक कार्यक्षमता को कहते हैं, जिसकी उत्पत्ति विकास की अवधि में होती है तथा जिसका संबंध शिक्षण एवं सामाजिक अभियोजन या परिपक्वता अथवा दोनों के ह्रास से है।"[4]

5. **ग्रॉसमैन** (Grossman) आदि के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता स्पष्ट रूप से अधो-औसत बौद्धिक कार्यक्षमता है, जो अभियोजित व्यवहार करने की क्षमता की कमी के साथ-साथ वर्तमान रहती है और जिसकी अभिव्यक्ति विकासात्मक अवधि में होती है।"[5]

उपर्युक्त सभी परिभाषाओं में अमेरिकन एसोसिएशन ऑन मेंटल डेफिसिएन्सी (American Association on Mental Deficiency) ने 1973 ई० के मैनुअल

---

1. "We may accordingly define amentia as a state of restricted potentiality for, or arrested cerebral development in consequence of which the person affected is incapable at maturity of so adapting himself to his environment or to the requirements of the community as to maintain existence independently of supervision or external support."—TREDGOLD—*Mental Deficiency*
2. "Mental deficiency is a condition of sub-normal mental development, present at birth or early childhood and characterized mainly by limited intelligence and social inadequacy."—PAGE, J.D.—*Abnormal Psychology*
3. "Mental deficiency refers to a lack of even the minimum general intelligence and judgement required for independent adult living."—STRANGE, J.R.—*Abnormal Psychology*
4. "Sub-normal general intellectual functioning which originates during the developmental period and is associated impairment of either learning and social adjustment or maturation or both."—*American Psychiatric Association*—1968, p.14
5. "Mental retardation refers to significantly sub-average intellectual functioning existing concurrently with deficits in adaptive behaviour, and manifested during developmental period."—GROSSMAN *et al*, 1973—*Revised Manual on Terminology and Classification in Mental Retardation*, Published by *American Association on Mental Deficiency*

Scanned with CamScanner

(manual) में जो परिभाषा दी है, वह इन दिनों सर्वाधिक मान्य और अच्छी परिभाषा मानी जाती है। इस परिभाषा में मानसिक दुर्बलता को औसत (average) या सामान्य (normal) से नीचे के स्तर पर ही बुद्धि के विकास का अवरुद्ध हो जाना या सीमित होना बतलाया गया है। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया है कि बौद्धिक कार्यक्षमता (intellectual functioning) में कमी के साथ-साथ अभियोजन-योग्य व्यवहारों में भी कमी होती है तथा कमी या न्यूनता की यह अवस्था विकास की अवधि में ही, अर्थात बाल्यावस्था में ही, दृष्टिगोचर होने लगती है।

यहाँ अभियोजन-योग्य व्यवहार (adaptive behaviour) से तात्पर्य शिक्षण एवं प्रशिक्षण (education and training) की शक्ति या संभावना से है। इस संभावना की कुशाग्रता की मात्रा के अनुसार ही व्यक्ति व्यक्तिगत स्वतंत्रता (personal independence) एवं सामाजिक उत्तरदायित्व (जो उसकी उम्र के अनुरूप अपेक्षित होते हैं) का निर्वाह करता है। इसीलिए मानसिक दुर्बलता से ग्रस्त व्यक्ति इन अपेक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ होते हैं, फलस्वरूप उनकी देखरेख दूसरों द्वारा आवश्यक हो जाती है।

स्पष्ट है कि मानसिक दुर्बलता (mental retardation) में केवल बौद्धिक क्षमता में कमी नहीं होती, बल्कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता (personal or individual independence) प्राप्त करने की संभावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व (social responsibilities) की संभावना या क्षमता में भी कमी के लक्षण देखे जाते हैं। कभी-कभी ऐसा देखा जाता है कि कम बुद्धि वाले व्यक्ति को उससे अधिक बुद्धि वाले व्यक्ति की तुलना में आसानी से शिक्षित या प्रशिक्षित किया जा सकता है। अतएव, मानसिक रूप से दुर्बल (mentally retarded) व्यक्तियों की पहचान करने हेतु यह आवश्यक है कि उनकी बुद्धि के साथ-साथ उनके शिक्षित या प्रशिक्षित होने की संभावना (potential for education and training) को भी मापा जाए।

2. मानसिक दुर्बलता की विशेषताएँ
(CHARACTERISTICS OF MENTAL RETARDATION)

मानसिक दुर्बलता के स्वरूप को और अच्छी तरह स्पष्ट करने हेतु हमें इनकी प्रमुख विशेषताओं पर ध्यान देना होगा। ये विशेषताएँ उनके नैदानिक स्वरूप (clinical picture) को स्पष्ट करती हैं। इनकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

1. **सीमित बुद्धि** *(Limited intelligence)*—मानसिक दुर्बलता का सबसे महत्त्वपूर्ण लक्षण बुद्धि (intelligence) का सीमित, अर्थात कम, होना है। इसे निम्नबुद्धि (low intelligence) भी कहते हैं। बुद्धि के न्यून होने से तात्पर्य बुद्धि के विकास की गति मन्द पड़ जाने अथवा औसत से कम स्तर पर ही रुक जाने (to be restricted or arrested) से है।

2. **शारीरिक न्यूनता** *(Organismic Inferiority)*—मानसिक रूप से दुर्बल व्यक्तियों में शारीरिक विकास (physical development) भी सामान्य लोगों से न्यून या कम होता है। उनका कद नाटा (short-statured), पैर छोटे (small legs), सिर बड़ा (big head), चमड़ी मोटी और पीली (thick and yellowish skin), होठ भद्दा

Scanned with CamScanner

(indecent lips), आँखों में विचित्रता इत्यादि होती है। इनमें ज्ञानात्मक और क्रियात्मक (cognitive and motor) क्षमताओं (capacities) का विकास देर से और बहुत ही मन्द गति से होता है। इनमें भाषा-संबंधी त्रुटियाँ भी पाई जाती हैं।

3. सामाजिक अयोग्यता *(Social disability)*—मानसिक दुर्बलता का एक लक्षण सामाजिक अभियोजन की अयोग्यता (inadequacy of social adjustment) भी है। इनमें बुद्धि का अभाव इतना रहता है कि ये सामाजिक (social) और असामाजिक (non-social) अथवा समाजविरोधी (antisocial) का निर्णय नहीं कर सकते। इनमें उचित-अनुचित, भला-बुरा अथवा उपयोगी-अनुपयोगी के ज्ञान का अभाव रहता है, इसीलिए ये चोरी, यौन-संबंधी अपराधी, समाजविरोधी कार्य आदि करने लगते हैं। इनमें आत्मसंयम (self-restraint), आत्मरक्षा (self-protection), आत्मविश्वास (self-reliance) आदि का भी अभाव पाया जाता है। ये परावलम्बी अर्थात दूसरों पर निर्भर करने लगते हैं। इस प्रकार, इनमें सामाजिक अभियोजन का विसंतुलन (imbalance or disharmony) पाया जाता है।

4. जीविका उपार्जित करने की अयोग्यता *(Disability in earning livelihood)*—मानसिक दुर्बलता से ग्रस्त व्यक्ति में स्वयं अपनी जीविका (livelihood) उपार्जित करने की क्षमता नहीं रहती, फलतः वे आर्थिक रूप से समाज पर बोझ बने रहते हैं। कुछ तो इतने अधिक मन्द बुद्धि के होते हैं कि वे स्वयं सामान्य दैनिक चर्या (routine work), अर्थात खाना-पीना, मल-मूत्र परित्याग करना, व्यक्तिगत सफाई इत्यादि के लिए भी दूसरों पर आश्रित रहते हैं।

5. शिक्षा-संबंधी अयोग्यता *(Inadequacy of education)*—मानसिक दुर्बलता से पीड़ित व्यक्ति में शैक्षणिक पिछड़ापन (educational backwardness) पाया जाता है, अर्थात वे किसी प्रकार के औपचारिक या अनौपचारिक (formal or informal) शिक्षा ग्रहण करने अथवा कोई कार्य करने में प्रशिक्षण प्राप्त करने में पिछड़े रहते हैं। इसका मुख्य कारण बुद्धि की कमी है। इनकी बुद्धि इतनी अल्पमात्रा की होती है कि इन्हें शिक्षित या प्रशिक्षित करना प्रायः असंभव होता है।

6. सीमित प्रेरणा एवं संवेग *(Limited motivation and emotion)*—मानसिक रूप से दुर्बल व्यक्ति की प्रेरणाशक्ति एवं संवेग भी सीमित होते हैं। इनमें अर्जन करने (to acquire), प्रभुत्व रखने (to dominate) अथवा कोई लक्ष्य प्राप्त करने (to attain a goal) की इच्छा का अभाव पाया जाता है। यहाँ तक कि ऐसे व्यक्ति खाने, सोने या अन्य शारीरिक आवश्यकताओं (needs or drives) की पूर्ति के लिए भी बेचैन या उत्सुक नहीं दीखते। इनमें सामान्य खुशी, भय, घृणा, आश्चर्य इत्यादि संवेगों का भी प्रदर्शन मन्द पड़ जाता है। इनमें संवेगों और प्रेरणाओं की तीव्रता पशुओं से भी कम मात्रा की होती है।

7. अन्य मानसिक क्रियाएँ *(Other mental functions)*—मानसिक दुर्बलता से ग्रस्त व्यक्तियों में शिक्षा की क्षमता का अभाव तो रहता ही है, साथ-ही-साथ दूसरी मानसिक क्रियाएँ भी सीमित रहती हैं। जैसे, इनमें स्मृति-विस्तार (memory span), अवधान-विस्तार (span of attention), विभेदीकरण एवं सामान्यीकरण की योग्यता

Rupashree Tamuly

Scanned with CamScanner

(differentiation and generalization ability), चिंतन-प्रक्रिया (thought process) इत्यादि सीमित होते हैं।

8. **व्यक्तित्व** *(Personality)*—इनका व्यक्तित्व प्रायः अन्तर्मुखी (introvert) स्वरूप का होता है तथा ये असामान्य रूप से विनम्र होते हैं। इनमें उदासीनता (sadness or depressed mood) की प्रधानता रहती है। इनमें छल, कपट, बेईमानी या धोखा देने के गुणों का अभाव रहता है। ये कभी-कभी, अर्थात बुद्धिहीनता के कारण, असामाजिक कार्य कर बैठते हैं; क्योंकि इन्हें इसकी समझ नहीं होती।

उपर्युक्त विशेषताओं से स्पष्ट है कि मानसिक दुर्बलता में बुद्धि की कमी तो होती ही है, साथ-ही-साथ उनमें सामाजिक अभियोजन (social adjustment), व्यक्तिगत देखरेख (personal care) और शिक्षा-ग्रहण करने की क्षमता (potential to be educated) का भी अभाव रहता है। अतएव, वे दूसरों पर आश्रित रहते हैं तथा समाज के लिए बोझ बन जाते हैं।

Scanned with CamScanner